

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ नजी वशिवदियालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) वधियक का कया अनुमोदन

चरचा में क्यों?

7 सतिंबर, 2022 को छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके ने छत्तीसगढ़ नजी वशिवदियालय (स्थापना एवं संचालन) अधनियिम, 2005 (करमांक 13 सन् 2005) को और संशोधति करने हेतु प्रस्तुत वधियक का अनुमोदन कर दया ।

प्रमुख बदि

- संशोधन के बाद यह अधनियिम छत्तीसगढ़ नजी वशिवदियालय (स्थापना एवं संचालन) (संशोधन) अधनियिम, 2022 कहलाएगा । इसका वसितार संपूरण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा तथा राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से यह प्रवृत्त होगा ।
- उक्त वधियक में संशोधन कर छत्तीसगढ़ नजी वशिवदियालय (स्थापना एवं संचालन) अधनियिम, 2005 (कर. 13 सन् 2005) की धारा 9 की उप-धारा (1) के अंतरगत नरिमति अनुसूची में, सरल क्रमांक 15 एवं उससे संबधति प्रवषिटियों के पश्चात् सरल क्रमांक 16 जोड़ा गया है ।
- इसके अनुसार छत्तीसगढ़ में 16वें नजी वशिवदियालय 'आंजनेय वशिवदियालय'के संचालन की सवीकृता दी गई है । आंजनेय वशिवदियालय का मुख्य परसिर ग्राम- नरदहा, तहसील- मंदरि हसौद, ज़िला-रायपुर में है ।
- इस वशिवदियालय में पत्रकारता/जनसंचार/मीडिया, कला/मानवकी/समाज वजिज्ञान, वधि, वयवसाय प्रशासन/वाणजिय/प्रबंधन/वतित, पुस्तकालय और सूचना वजिज्ञान, ललति कला/प्रदर्शन कला/दृश्य कला/अनुप्रयुक्त कला, होटल प्रबंधन/अतथिसितकार/पर्यटन/यात्रा, वजिज्ञान/अनुप्रयुक्त वजिज्ञान, अभयांतरकी/प्रौद्योगकी/वास्तुशलिप/डिजाइन, व्यावसायकि शकिषा/कौशल वकिस में सनातक, स्वास्थय एवं अनुप्रयुक्त वजिज्ञान, पैरामेडकिल/नर्सगि, पुनरवास वजिज्ञान, संस्कृत ध्वन्यात्मक उपाधि (संस्कृत साउंडगि डिग्री) एवं शारीरकि शकिषा का पाठ्यक्रम संचालति होंगे ।